ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–63
दिनांक– शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.2 एवं 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 75 प्रतिशत, हवा की औसत गति 14.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.7 एवं दोपहर में 37.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मैसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(23–27 अगस्त, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 23–27 अगस्त, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में हल्की से मध्यम बदल देखे जा सकते है, 24–25 अगस्त के आसपास सारण, समस्तीपुर, वैशाली, बेगुसराई, गोपालगंज, सिवान, पूर्वी चम्पारण एवं पश्चमी चम्पारण के जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 30–32 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में 23 अगस्त को औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है, उसके बाद अन्य दिनो में पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट 5.0 किलोग्राम तथा 2.5 किलोग्राम बुझा चूना का 500 लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। पिछात धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- अगात धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। तना छेदक कीट दिखने पर बचाव के लिए फेरोमोन ट्रैप की 12 ट्रैप प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करे। खेतो में 5 प्रतिषत क्षतिग्रस्त पौधें दिखाई देने पर करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने–दार दवा का अथवा फिप्रोंनिल 0.3 जी का 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- सितम्बर अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करे। किसान भाई 25 अगस्त के बाद इसकी बुआई कर सकते हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर,20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा–9 तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंशित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- टमाटर की नर्सरी उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिरावें। इसके लिए काशी विशेष, काशी अमन, स्वर्ण लालिमा, स्वर्ण नवीन, अर्का आभा किस्में अनुशंसित है। बीज दर 200 से 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी–छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें।
- हल्दी, अदरक, ओल और बरसाती सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- फूलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। उपचारित बीज उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (10–15 सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी0ओ0– 07, अर्का सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर 300–350 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में 07–10 सेन्टीमीटर की दूरी पर बोयें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1. डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी